नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण,
ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE,
RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

D.O. No. 108 /AM

फा॰सं॰-एनआरएम/2(4)/2021-ए.एफ.सी.

दिनांक: 12, फरवरी, 2021

प्रिय श्री नीतीश मिश्रा जी,

कृपया अपने पत्रांक सं॰ 180/2020 दिनांक 30/12/2021 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा दरभंगा स्थित मखाना अनुसंधान केन्द्र को राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र का दर्जा देकर विकसित करने के संबंध में आग्रह किया गया है।

2. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद मखाना की खेती को बढ़ावा देने हेतु कटिबद्ध है। चूंकि मखाना का उत्पादन बहुत सीमित क्षेत्रफल में किया जाता है जिसका उल्लेख आपने अपने पत्र में भी किया है ऐसी परिस्थिति में राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र की स्थापना व्यावहारिक विकल्प नहीं हो सकता है तथापि परिषद द्वारा मखाना अनुसंधान केन्द्र के विकास हेतु एक समिति गठित कर दी है जो वस्तुस्थिति का अवलोकन कर केन्द्र के सुदृढ़ीकरण हेतु सुझाव दे सके। इसके साथ ही मखाना की खेती में मशीनीकरण पर जोर देने हेतु वित्तीय वर्ष 2021-2022 में परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिषर की एसएफसी में प्रावधान किया गया है। जिसकी स्वीकृति के पश्चात मखाना अनुसंधान केन्द्र में विभिन्न मशीनों की खरीद हो पायेगी। परिषद द्वारा मखाना अनुसंधान केन्द्र में अन्य वैज्ञानिकों की नियुक्ति पर भी विचार किया जा रहा है ताकि मखाना संबंधित शोध कार्यों को गति प्रदान की जा सके

(नरेन्द्र सिंह तोमर)
12/2/21

श्री नीतीश मिश्रा,
पूर्व मंत्री बिहार सरकार,
112, कौटिल्य नगर,
पटना-800014,

Office : Room No. 120, Krishi Bhawan, New Delhi-110 001 Tel.: 23383370, 23782691 Fax : 23384129
Resi. : 3, Krishna Menon Marg, New Delhi-110001, Ph. : 011-23794697 / 98, Fax : 011-23794696

नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

Ref: 180/2020
Dt-30.12.2020

सेवा में,

परमादरणीय मंत्री महोदय
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

विषयः— बिहार राज्य के दरभंगा स्थित मखाना अनुसंधान केन्द्र को राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र का दर्जा देकर विकसित करने के संबंध में।

माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने जब भी बिहार का दौरा किये तो माछ, मखान एवं पान का जिक्र किये। वर्त्तमान में मखाना की खेती पूरे देश में 15,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में हो रही है। इस क्षेत्रफल का 85 प्रतिशत क्षेत्र अर्थात् 13,000 हेक्टेयर उत्तर बिहार के दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, सुपौल एवं किशनगंज जिलों में स्थित है।

इस केन्द्र की स्थापना दिनांक 28 फरवरी 2002 को राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र दरभंगा के रूप में कैम्प ऑफिस, केन्द्रीय आलू अनुसंधान केन्द्र, पटना में किया गया। वर्तमान में यह मखाना अनुसंधान केन्द्र का नया भवन वायुसेना स्टेशन दरभंगा के निकट स्थित है।

पूर्ववर्त्ती सरकार राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र दरभंगा को दुर्भावनावश भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली से इस राष्ट्रीय महत्व के केन्द्र का अवमूल्यन कर मात्र एक शोध केन्द्र के रूप में वर्ष 2005 को पटना स्थित कृषि अनुसंधान परिषद् (पूर्वी क्षेत्र) के अधिकार में दे दिया, जिसका नतीजा यह है कि इस केन्द्र में निदेशक का पद समाप्त हो गया, साथ ही अलग से आवंटित होने वाले धन (फंड) का प्रावधान भी समाप्त हो गया। राष्ट्रीय कद से छोटा होकर मात्र एक मखाना अनुसंधान केन्द्र में परिणत होने से इसका विकास अवरूद्ध हो गया है।

1) मखाना की खेती संबंधी आवश्यक उपकरणों जैसे बीज निकालने की मशीन एवं पोर्टेबल मखाना, लावा मशीन की माँग की जा रही है लेकिन अभी तक नहीं लाया गया है। यह महत्वपूर्ण कार्य के लिए पोस्ट हार्वेस्ट इंजिनियरिंग के दो वैज्ञानिक की नियुक्ति आवश्यक है।

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com

2) इस केन्द्र पर वर्त्तमान में कीट विज्ञान एवं कृषि प्रसार से संबंधित विषयों में एक भी वैज्ञानिक नही है।

3) वर्त्तमान में इस केन्द्र पर कुल चार वैज्ञानिक एवं पाँच तकनीकी कर्मचारी कार्य कर रहे है, लेकिन यहाँ पर एक भी प्रशासनिक अधिकारी नहीं है।

4) इस केन्द्र का कुल क्षेत्रफल मात्र 25 एकड़ है।

उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में वर्णित समस्याओं के निदान का एक मात्र कारण मखाना अनुसंधान केन्द्र दरभंगा को राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र के रूप में स्थापित नहीं किया जाना है, साथ ही एक केन्द्रीय प्रयोगशाला का निर्माण करने की महत्ती आवश्यकता है। देश के कुल मखाना उत्पादन का 85 प्रतिशत उत्पादन क्षेत्र उत्तर बिहार में राष्ट्रीय स्तर का दर्जा देना "सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास एवं आत्मनिर्भर बिहार" के मार्ग को प्रशस्त करेगा।

अतः अनुरोध है कि मखाना अनुसंधान केन्द्र दरभंगा को राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केन्द्र में परिणत करने हेतू आवश्यक विचार करना चाहेंगे।

नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ!

सादर

भवदीय

Nitish Mishra 30.12.20

(नीतीश मिश्रा)

सेवा में,

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर
माननीय मंत्री
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
कमरा न॰ 120 कृषि भवन
डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद रोड
नई दिल्ली – 110001